साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 127 | जौनपुर, गुरूवार, 26 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

मोदी ने देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया

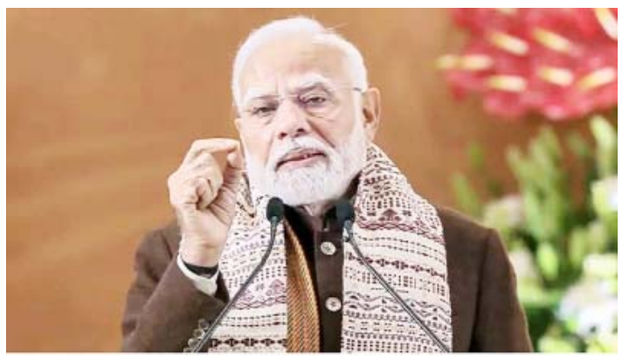

खजुराहो,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती पर खजुराहो में देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना के रूप में केन–बेतवा नदी जोड़ो राष्ट्रीय परियोजना का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल और खजुराहो सांसद एवं प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। मोदी ने यहां आयोजित भव्य कार्यक्रम में देश की पहली महत्वाकांक्षी और बहुउद्देशीय केन–बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास करने के साथ ही खंडवा जिले की ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सौर परियोजना का लोकार्पण और 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमिपूजन किया। प्रधानमंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी की स्मृति में डॉक टिकट और सिक्का भी जारी किया। देश की नदियों को जोड़ने की परिकल्पना देने वाले वाजपेयी की जयंती पर यह परियोजनाएं मध्यप्रदेश के लिए बड़ी सौगात मानी जा रही हैं। मोदी ने मंच पर ही केन और बेतवा नदी के जल से भरे कलशों से जल को प्रवाहित कर केन बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया। दो प्रमुख नदियों केन और बेतवा को आपस में जोड़ने से संबंधित केन–बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना देश में भूमिगत दाबयुक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे बड़ी सिंचाई परियोजना है। इस परियोजना के पूर्ण होने पर मध्यप्रदेश के 10 जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और 44 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। फसलों के उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में 103 मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बेहतर जल प्रबंधन और औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इस परियोजना से उत्तरप्रदेश में 59 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी और 1.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जायेगा। इससे उत्तरप्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर और बांदा जिलों में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना से मध्यप्रदेश की 44 लाख और उत्तरप्रदेश की 21 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के ही खंडवा जिले के ओंकारेश्वर में स्थापित "फ्लोटिंग सौर परियोजना" का लोकार्पण भी किया। परियोजना के प्रथम चरण में इस वर्ष अक्टूबर माह से पूर्ण क्षमता से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो गया है। परियोजना के द्वितीय चरण की 240 मेगावॉट क्षमता के लिये 'एमपीपीएसीए' से आवश्यक सहमति उपरांत चयनित विकासक 'सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड' से अनुबंध हस्ताक्षरित किया जाना प्रस्तावित है। यह परियोजना नर्मदा नदी पर स्थित है। मोदी ने खजुराहो से ही मध्यप्रदेश में 1153 अटल ग्राम सुशासन भवनों का भूमिपूजन करने के साथ ही प्रथम किश्त का वितरण किया।

अटल जी दूसरे नेहरू, राजधर्म का पालन करना कोई उनसे सीखे : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें दूसरा नेहरू बताया। मीडिया से बात करते हुए सांसद संजय राउत ने कहा कि अटल जी दूसरे नेहरू थे। अटल जी नेहरू के भक्त थे। स्वयं नेहरू ने अटल जी को आशीर्वाद दिया था। राजधर्म का पालन कैसे करना है, यह अटल जी से सीखा जा सकता है। जब तक अटल जी के पास बीजेपी थी, तब तक वह सर्वसमावेशी पार्टी थी। लेकिन अब देखिए क्या हो रहा है। बालासाहेब के लिए अटल जी के मन में सम्मान बहुत था। वहीं अटल जी का शब्द बालासाहेब के लिए अंतिम माना जाता था। वहीं, बीड मामले को लेकर उन्होंने कहा कि बीड की स्थिति ऐसी है कि वहां एक जिले में राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। लेकिन हमारे पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। मुख्यमंत्री को बीड जाना चाहिए क्योंकि वे गृहमंत्री भी हैं। उन्हें अपने लाडले धनु भाई के साथ जाना चाहिए। बीड और परभणी की घटनाओं पर फडणवीस को ध्यान देना चाहिए। बीड का आरोपी आपके मंत्रिमंडल में है और परभणी का आरोपी पुलिस विभाग में है। उन्होंने कहा कि बीड और परभणी में हुई घटनाएं राज्य की छवि को कलंकित करती हैं और इन अपराधों में शामिल लोग आपकी सरकार में मंत्री हैं। राहुल गांधी का परभणी दौरा सही था क्योंकि उन्होंने इन मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया।

केजरीवाल ने भाजपा पर लगाया बड़ा आरोप, कहा- सीएम आतिशी को जेल में डालने की हो रही है तैयारी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बुधवार को केंद्र सरकार और भाजपा पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें जेल में डालने की तैयारी की जा रही है और उसके पहले आम आदमी पार्टी के सभी नेताओं के घर एक बार फिर से रेड करवाई जाएगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोग जानते है कि भाजपा ने दिल्ली के लोगों के लिए कितने तरह तरह के षड्यंत्र किए हैं। जब उनके ये सारे षड्यंत्र फेल हो गए तो उन्होंने आम आदमी पार्टी के सीनियर नेताओं को जेल भेजना शुरू किया। अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा न केवल हार रही है, बल्कि भारत के इतिहास में भाजपा की ये सबसे बड़ी हार होने वाली है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की आधी जिम्मेदारी भाजपा के पास थी। जिसका इन्होंने ठीक तरीके से निर्वहन नहीं किया। दिल्ली के लोगों ने इन्हें एक ही काम दिया था, और वो था दिल्ली की कानून व्यवस्था का, वो भी वो कर नहीं पाए। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने इतने सारे काम किए इसलिए हम कह रहे हैं की हमें वोट दो। उन्होंने कहा कि अभी दो दिन पहले हमने दो योजना जारी की। दिल्ली की कैबिनेट पहले ही 1000 रुपए पास कर चुकी है लेकिन हमने वादा किया कि अगर हमारी सरकार बनती है तो हम इसकी रकम 2100 करायेंगे। अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सूत्रों के हवाले से यह जानकारी मिली है कि ईडी, सीबीआई की तरफ से आतिशी की गिरफ्तारी की प्लानिंग की जा रही है और इसके लिए दिल्ली के ट्रांसपोर्ट विभाग के किसी केस को लेकर आतिशी की गिरफ्तारी का षड्यंत्र भाजपा कर रही है।

तानाशाही से देश को बर्बाद कर रही है भाजपा : शिवपाल

इटावा,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा है कि सत्ता के मद में चूर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने तानाशाही रवैये के चलते देश को बरबादी की गर्त में ढकेल रही है। शिवपाल सिंह यादव ने बुधवार को यहां अपने चौगुर्जी आवास पर यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि भाजपा सरकारों की तानाशाही के चलते देश बर्बादी के कगार पर आकर के खड़ा हो गया है। सभी सरकारी संस्थानों पर भाजपा और संघ से जुड़े प्रतिनिधियों का कब्जा हो चुका है, जो संविधान के लिहाज से कतई ठीक नहीं है। इसके दूरगामी परिणाम भविष्य में सामने आयेंगे। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान की चर्चा करते हुये उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लोग हिंदू मस्लिम एकता को खत्म करना चाहते हैं। इसीलिए यह लोग ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपाई षड्यंत्र करते है और षड्यंत्र करके जनता को धोखा देने का काम करते हैं। भागवत का नाम लिये बगैर उन्होने कहा " यह लोग ना तो कोई काम करते हैं ना ही कोई विकास करते है और झूठ बोलकर जनता को भटकाने का काम करते हैं।" शिवपाल यादव ने 2017 तक उत्तर प्रदेश की सत्ता में रही समाजवादी सरकार चर्चा करते हुए कहा कि जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी तब विकास के मामलों में प्रदेश तीसरे नंबर पर आता था और आज वर्तमान में विकास के मामलों में हमारा उत्तर प्रदेश पांचवें स्थान पर है। भाजपा सरकार पर तंज करते हुए कहा कि इस सरकार में भ्रष्टाचार 10 गुना ज्यादा बढ़ चुका है। भाजपा हिंदू मुस्लिम करके जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का काम करती है। शिवपाल ने कहा " भाजपा के लोग संविधान को नहीं मानते हैं। इसी लिए संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का लगातार अपमान करने में जुटे हुए है। भाजपा सरकार एक तरफ वन नेशन वन इलेक्शन का प्रस्ताव सदन में रखती है मगर दूसरी ओर यूपी की दस सीटों में से सिर्फ नौ पर ही उपचुनाव करा पायी।" सपा नेता आजम खान को अदालती राहत से जुड़े हुए सवाल पर शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि आजम खान को झूठे मुकदमे में फंसाया गया है।

राजेंद्र आर्लेकर केरल के नये राज्यपाल नियुक्त

तिरुवनंतपुरम,(एजेंसी)। बिहार के 29वें राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को केरल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वह आरिफ मोहम्मद खान की जगह लेंगे, जो अब बिहार के राज्यपाल होंगे। गोवा सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं गोवा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र अर्लेकर बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े रहे हैं। उन्होंने गोवा औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष, गोवा राज्य अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग वित्तीय विकास निगम के अध्यक्ष, दक्षिण गोवा के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया। इसके अलावा, 2021 में उन्हें हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया ।

बांग्लादेशी आतंकी संगठन शुभेंदु अधिकारी को बना सकता है निशाना

कोलकाता,(एजेंसी)। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल सरकार को विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) शुभेंदु अधिकारी पर संभावित आतंकी हमले के बारे में सचेत किया है। यह हमला बांग्लादेश स्थित कट्टरपंथी संगठन के सहयोगियों द्वारा किया जा सकता है, जो पड़ोसी देश के साथ लगती सीमा के जरिए भारतीय क्षेत्र में पहले ही प्रवेश कर चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों की ओर से राज्य सचिवालय को भेजी गई दो सूचनाओं में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विपक्ष के नेता दो बांग्लादेशी कट्टरपंथी संगठनों जमात–उल–मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और हिज्ब–उत–तहरीर (एचयूटी) के निशाने पर हैं। सूत्रों ने बताया कि खुफिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि विपक्ष के नेता को उन कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में निशाना बनाया जा सकता है, जिनमें वह रोजाना भाग ले रहे हैं। इन कार्यक्रमों में वह बांग्लादेश में हाल के संकट, खासकर वहां अल्पसंख्यकों और हिंदू धार्मिक प्रतिष्ठानों पर हमले के बारे में लगातार मुखर रहे हैं। इस संबंध में खतरे की आशंका पहले से ही थी, जिसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने पिछले महीने अधिकारी की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया था। इस साल नवंबर तक अधिकारी को केवल पश्चिम बंगाल राज्य में ही ष्जेडष श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी। हालांकि केंद्रीय खुफिया रिपोर्ट में खतरे की आंशका को देखते हुए अब से विपक्ष के नेता को भारत में जहां भी वे यात्रा करेंगे, वही सुरक्षा प्रदान की जाएगी। इससे पहले अधिकारी को पश्चिम बंगाल के अलावा किसी भी अन्य राज्य में "वाई" श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी। सूत्रों ने बताया कि पश्चिम बंगाल पुलिस भी खुफिया एजेंसियों की ताजा चेतावनी को काफी गंभीरता से ले रही है और उसने राज्य की खुफिया एजेंसियों को सलाह दी है कि वे इसके अनुसार कार्य करें तथा इस संबंध में अपनी ओर से सभी सुरक्षा उपाय अपनाएं। केंद्रीय और राज्य दोनों ही सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं, क्योंकि उन्हें सूचना मिली है कि एचयूटी के सहयोगी भारत–बांग्लादेश सीमा से लगे विभिन्न जिलों में सक्रिय है।

महाकुंभ की तैयारी को लेकर सपा मुखिया अखिलेश ने उठाए सवाल

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने वीडियो जारी कर सवाल उठाए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार में 'प्रयागराज महाकुंभ 2025' की तैयारी की सच्चाई। कम से कम पुलिस विभाग का काम तो बहुत पहले ही पूरा हो जाना चाहिए था क्योंकि सुरक्षा चक्र का प्रबंधन किसी अंतिम दिन की प्रतीक्षा नहीं करता है। प्रयागराज की आहत जनता पूछ रही है कि महादानी सम्राट हर्षवर्धन की प्रतिमा हटाने के लिए तो भाजपा सरकार बहुत तत्पर थी पर वैसी तेजी प्रशासनिक प्रबंधन के लिए क्यों नहीं दिखाई जा रही है। प्रबंधन करते समय प्रयागराज और मेला क्षेत्र के आसपास की स्थानीय जनता की जरूरतों और समस्याओं को नजरअंदाज करने की जो शिकायतें मिल रही हैं, उनका भी तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने आगे लिखा कि प्रयागराज के निवासियों के बीच किसी इमरजेंसी के घटित होने पर आवागमन और परिवहन को लेकर मन में जो चिंता है, उसके निराकरण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की जाए। हम चाहते हैं महाकुंभ भी चले और प्रयागराज भी गतिमान रहे। सपा प्रमुख ने कहा कि अगर शासन–प्रशासन महाकुंभ की तैयारी में विफल हो गया है तो सहायता करने के लिए हम अपने सच्चे–समर्पित कार्यकर्ता भेजने का प्रस्ताव रखते हैं क्योंकि भाजपा वाले तो कहीं खाने–कमाने या चुनाव के जोड़–जुगाड़ में लगे होंगे। ज्ञात हो कि महाकुंभ भारतीय संस्कृति और आस्था का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन माना जाता है। इसका आयोजन प्रमुख रूप से चार पवित्र स्थलों– प्रयागराज, नासिक, उज्जैन और हरिद्वार में होता है। इस महापर्व का साधु–संतों और श्रद्धालुओं द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महाकुंभ में गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में स्नान करने से व्यक्ति को अपने जीवन के पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

विश्व स्तरीय दिल्ली के बीच हम संगम विहार को भूल जाते हैं : कांग्रेस प्रत्याशी हर्ष चौधरी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 26 उम्मीदवारों के नाम हैं। जिसमें हर्ष चौधरी को संगम विहार से उम्मीदवार बनाया गया है। आम आदमी पार्टी के दिनेश मोहनिया संगम विहार से वर्तमान विधायक हैं। वह पिछले 3 बार से यहां के विधायक हैं। संगम विहार से उम्मीदवार बनाए जाने पर हर्ष चौधरी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व का शुक्रिया किया। उन्होंने आईएएनएस से कहा, ष्सबसे पहले, मैं हमारे शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करना चाहता हूं, चाहे वे मल्लिकार्जुन खड़गे हों, सोनिया गांधी हों, राहुल गांधी हों, प्रियंका गांधी हों। मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने मुझ पर एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में विश्वास जताया और मुझे संगम विहार में जाकर पार्टी के लिए संघर्ष करने का अवसर दिया। हम यहां के लोगों के लिए लड़ाई लड़ेंगे, जो उन वादों से परेशान हैं जो पूर्व विधायकों ने किए थे। चाहे वह 10 साल तक भाजपा के विधायक रहे हों या वर्तमान में आम आदमी पार्टी के विधायक दिनेश मोहनिया हों, इन सभी ने जनता से झूठे और खोखले वादे किए हैं। जनता आज भी इन वादों के कारण परेशान है। यहां पानी की किल्लत है और लोग दर–दर की ठोकरें खा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, ष्संगम विहार, जिसे हम वर्ल्ड क्लास दिल्ली की बात करते हुए भूल जाते हैं, अब सबसे पिछड़ा इलाका बन चुका है। यहां बुनियादी सुविधाएं भी नदारद हैं। पानी, जो सबसे अहम आवश्यकता है, वो तक नहीं मिल पा रहा है, हमारी सरकार ने सोनिया विहार की लाइन डलवाई थी, आज भी वही स्थिति है। यहां की समस्याओं के समाधान के लिए हम संघर्ष करेंगे। बच्चों को स्कूल नहीं मिल पा रहे हैं, बुजुर्गों को पेंशन नहीं मिल रही है। इन सब मुद्दों पर हम लोगों की लड़ाई लड़ेगे। यहां कांग्रेस के समय शीला दीक्षित ने जो लाइन डलवाई थी, आज भी वही पानी नहीं पहुंच पा रहा है। यहां पर एक भी बारहवीं तक का स्कूल नहीं है। तुगलकाबाद एक्सटेंशन में जो स्कूल चल रहे हैं, वे कांग्रेस के शासन में बने थे। उसके बाद यहां कोई नया स्कूल नहीं खोला गया। बुजुर्गों की पेंशन, जो पहले कांग्रेस सरकार देती थी, आज बंद हो चुकी है। उन्होंने कहा, ष्यहां पर गरीब और मध्यवर्गीय परिवार रहते हैं, लेकिन पिछले 11 साल में किसी का राशन कार्ड तक नहीं बना। इन सभी समस्याओं के लिए जिम्मेदार मौजूदा विधायक और सरकार हैं।

मध्य प्रदेश के परिवहन घोटाले की हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की निगरानी में हो जांच : दिग्विजय सिंह

भोपाल। मध्य प्रदेश में परिवहन विभाग के पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा के करोड़ों की संपत्ति का मालिक होने का खुलासा होने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से परिवहन घोटाले की हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने पत्र में लिखा कि मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गत दिवस उजागर हुए ट्रांसपोर्ट घोटाले में करोड़ों रुपये की जब्ती विभाग के एक पूर्व सिपाही के पास से की गई है। यह आपके उस वायदे के खिलाफ है, जिसमें आप भ्रष्टाचार के विरुद्ध ''न खाऊंगा, न खाने दूंगा'' जैसी बातें अक्सर हर बड़े मंच से करते हैं। मध्य प्रदेश में पकड़ाए इस ''परिवहन घोटाले कांड'' की गूंज पूरे देश में हो रही है। लगभग 20 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी शासित मध्य प्रदेश के परिवहन विभाग में काम करने वाले पूर्व सिपाही सौरभ शर्मा के यहां 19 दिसंबर को 3 करोड़ रुपये नकद और 200 किलो चांदी की सिल्ली के साथ बेनामी संपत्तियों के अनेक दस्तावेज मिले हैं। इसी व्यक्ति के साथी के पास जब्त कार में 52 किलो सोना और 11 करोड़ नकद मिले हैं। यह भी जानकारी मिली है कि आयकर विभाग ने एक ऐसी डायरी जब्त की है, जिसमें अधिकारी, नेता और व्यापारियों के नाम हैं। उन्होंने कहा कि लोगों में चर्चा है कि पूर्व परिवहन मंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री के यहां परिवहन घोटाले का कितना माल पहुंचा होगा। सौरभ शर्मा नाम के जिस पूर्व आरक्षक पर इस करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। उसे सागर निवासी पूर्व परिवहन मंत्री का सीधा संरक्षण प्राप्त था। सौरभ शर्मा पूर्व परिवहन मंत्री के परिवार के सदस्य की तरह बंगले पर बैठता था, जहां संजय श्रीवास्तव के साथ बैठकर पूरे प्रदेश में परिवहन विभाग के करोड़ों रुपये के लेन–देन का हिसाब–किताब रखता था। उन्होंने आगे लिखा कि परिवहन घोटाले की जांच मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में कराई जाए। जांच में प्राप्त बेनामी संपत्तियां कुर्क की जाए और धनराशि शासकीय खजाने में जमा की जाए। जांच का दायरा बढ़ाया जाए और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की जाए।

संपादकीय

वक्त की आवाज

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अमरावती में दिए वक्तव्य में धर्म के नाम पर पैदा की जा रही गलतफहमियां दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा कि राममंदिर बनना तो ठीक है लेकिन इस तरह के नये–नये मंदिर विवाद खड़ा करना देश की सामाजिक समरसता के लिये ठीक नहीं है। उन्होंने स्वीकारा कि विविधता हमारा वर्तमान तो है लेकिन ये हमारे अतीत का हिस्सा भी रहा है। देश में विभिन्न धर्म–संस्कृति के लोग आते रहे हैं। प्रारंभिक मतभेद और कटुता को दूर करके भारतीय संस्कृति का हिस्सा बनते रहे हैं। जिससे विविधता के बीच एकता के सूत्र विकसित होते रहे हैं। यही वजह है कि बाद में कानून के जरिये तय हुआ कि आजादी के वक्त पूजा स्थल का जैसा स्वरूप रहा, उसे यथास्थिति में बनाये रखा जाये। निश्चित रूप से ऐसे विवादों को हवा देने से सामाजिक समरसता पर आंच आएगी व देश का विकास बाधित होगा। इसके बाद जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य व कतिपय अन्य धर्मगुरुओं ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने बयान को भागवत की निजी राय बताया। निश्चित रूप से भागवत का बयान समय की आवाज है और बकौल भागवत धर्म की सतही समझ से सांप्रदायिक कट्टरता को बढ़ावा मिलता है। लेकिन यह बात विचारणीय है कि भागवत के बयान के विरोध में तो आवाजें उठी, लेकिन संघ प्रमुख के बयान के समर्थन में संघ के आनुषंगिक संगठनों व भाजपा नेताओं की तरफ से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आई। जबकि प्रधानमंत्री व गृहमंत्री अमित शाह के ऐसे बयानों के समर्थन में पार्टी नेताओं में बयानबाजी की होड़ पैदा हो जाती है। समय की मांग है कि संघ प्रमुख के बयान में निहित संदेश को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि संघ की स्थापना के मूल में हिंदुत्व की विचारधारा रही है। यही इस संगठन का आधार भी रहा है। ऐसे में जब संगठन की तरफ से प्रगतिशील विचार सामने आता है तो उसे सुना जाना चाहिए। उसका स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, धर्म एक जटिल मुद्दा है और इसके वास्तविक स्वरूप को समझे जाने में चूक होने की आशंका बनी रहती है। जिसके चलते सांप्रदायिकता को बढ़ावा मिलने की आशंका बलवती होती है। वहीं सवाल उठता है कि क्या भागवत के बयान वाला दृष्टिकोण संगठन में उदारवादी व सख्त नीति के बीच विभाजित हो रहा है? यही वजह है कि संघ व भाजपा नेताओं की तरफ से इस बयान को सकारात्मक प्रतिसाद नहीं मिला है। इस बयान को बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां कट्टरपंथियों के वर्चस्व के रूप में देखा जा सकता है। भागवत की चिंताओं को इस संदर्भ में देखा जाना चाहिए। पूरी दुनिया में इस्लामिक कट्टरता के चलते संप्रदाय को अतिवाद के पोषक के रूप में देखा जाता रहा है। जिसके चलते इसकी छवि धूमिल हुई है। ऐसे ही यदि बहुसांस्कृतिक देश में कट्टरवाद को प्रश्रय दिया जाता है तो वैश्विक संदर्भ में देश की छवि पर इसका प्रतिकूल असर पड़ेगा। धर्म विशेष के नाम पर दुनिया में आतंकवाद की जो मुहिम चली है, उससे धर्म को हिंसा के पर्याय के रूप में देखा जाने लगा है। जिसको लेकर धारणा बनी है कि इससे धर्म की गलत व्याख्या की जा रही है। निश्चित रूप से ऐसे ध्रुवीकरण के प्रयासों से देश में विकास का एजेंडा हाशिये पर चला जाएगा। इसे उत्तर प्रदेश के उदाहरण के तौर पर देखा जाना चाहिए जहां नित नये विवादों को तूल देने के कारण सांप्रदायिक तनाव में वृद्धि देखी गई। उदाहरण के तौर पर संभल में हुई घटना को देखा जा सकता है, जहां हिंसा में चार लोगों की जान चली गई थी। ऐसे कृत्यों से भारत के विश्वगुरु बनने के दावे तथा वसुधैव कुटुंबकम की सनातन परंपरा पर आंच आती है। जिसके लिए जरूरी है कि हमें अपनी बात को ऊंचा रखकर दूसरे विचार की अनदेखी की जिद से बचना होगा। हम अपनी आस्था का ख्याल तो रखें लेकिन साथ ही दूसरे पक्ष के विचार का भी सम्मान करें। ऐसे में देश के कर्णधारों को चाहिए कि वे सत्ता पर काबिज रहने के लिये धार्मिक कट्टरता को बढ़ावा देने की प्रवृत्ति से बचें।

शुचिता की राजनीति के 'अटल' सत्य

मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं३ लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं? अटल जी के ये शब्द कितने साहस भरे हैं३ कितने गूढ़ हैं। अटल जी, कूच से नहीं डरे३ उन जैसे व्यक्तित्व को किसी से डर लगता भी नहीं था। वो ये भी कहते थे–जीवन बंजारों का डेरा आज यहां, कल कूच है.. कौन जानता किधर सवेरा३। आज अगर वे हमारे बीच होते, तो अपने जन्मदिन पर नया सवेरा देख रहे होते। मैं वो दिन नहीं भूलता जब उन्होंने मुझे पास बुलाकर अंक में भर लिया था और जोर से पीठ में धौल जमा दी थी। वह स्नेह, अपनत्व३ वह प्रेम मेरे जीवन का बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है। आज 25 दिसंबर का ये दिन भारतीय राजनीति और जनमानस के लिए एक तरह से सुशासन का अटल दिवस है। आज पूरा देश अपने भारत रत्न अटल को, उस आदर्श विभूति के रूप में याद कर रहा है, जिन्होंने अपनी सौम्यता और सहृदयता से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। पूरा देश उनके योगदान के प्रति कृतज्ञ है। 21वीं सदी को भारत की सदी बनाने के लिए उनके नेतृत्व में एनडीए सरकार ने जो कदम उठाए, उसने देश को एक नई दिशा, नई गति दी। साल 1998 के जिस काल में उन्होंने पीएम पद संभाला, उस दौर में पूरा देश राजनीतिक अस्थिरता से घिरा हुआ था। नौ साल में देश ने चार बार लोकसभा के चुनाव देखे थे। ऐसे समय में एक सामान्य परिवार से आने वाले अटल जी ने, देश को स्थिरता और सुशासन का मॉडल दिया। भारत को नव विकास की गारंटी दी। वे ऐसे नेता थे, जिनका प्रभाव भी आज तक अटल है। वे भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। उनकी सरकार ने देश को आईटी और टेलीकम्यूनिकेशन की दुनिया में तेजी से आगे बढ़ाया। उनके शासनकाल में ही एनडीए ने टेक्नोलॉजी को आम आदमी की पहुंच में लाने का काम शुरू किया। दूरदराज इलाकों को बड़े शहरों से जोड़ने के सफल प्रयास किये गए। वाजपेयी जी की सरकार में शुरू हुई जिस स्वर्णिम चतुर्भुज योजना ने भारत के महानगरों को एक सूत्र में जोड़ा वह आज भी लोगों की स्मृतियों पर अमिट है। लोकल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए भी एनडीए गठबंधन की सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए। उनके कार्यकाल में दिल्ली मेट्रो शुरू हुई, जिसका विस्तार आज हमारी सरकार एक वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के रूप में कर रही है। ऐसे ही प्रयासों से उन्होंने न सिर्फ आर्थिक प्रगति को नई शक्ति दी, बल्कि दूरदराज क्षेत्रों को एक–दूसरे से जोड़कर भारत की एकता को भी सशक्त किया। जब भी सर्व शिक्षा अभियान की बात होती है, तो अटल जी की सरकार का जिक्र जरूर होता है। शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानने वाले वाजपेयी जी ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां हर व्यक्ति को आधुनिक और गुणवत्ता वाली शिक्षा मिले। वे चाहते थे भारत के हर वर्ग, यानी ओबीसी, एससी, एसटी, आदिवासी और महिला समेत सभी के लिए शिक्षा सहज–सुलभ बने। उनकी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई बड़े आर्थिक सुधार किए जिनके कारण भाई–भतीजावाद में फंसी देश की आर्थिकी को नई गति मिली। उस दौर की सरकार के समय में जो नीतियां बनीं, उनका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को बदलना ही रहा। उनकी सरकार के कई ऐसे अद्भुत और साहस भरे उदाहरण हैं, जिन्हें आज भी हम देशवासी गर्व से याद करते हैं। देश को अब भी 11 मई, 1998 का वह गौरव दिवस याद है, जब एनडीए सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद पोखरण में सफल परमाणु परीक्षण हुआ। इसे 'ऑपरेशन शक्ति' का नाम दिया गया। कई देशों ने खुलकर नाराजगी जताई, लेकिन तब की सरकार ने किसी दबाव की परवाह नहीं की। पीछे हटने की जगह 13 मई को न्यूक्लियर टेस्ट का एक और धमाका कर दिया गया। उस 11 मई को हुए परीक्षण ने तो दुनिया को भारत के वैज्ञानिकों की शक्ति से परिचय कराया था। लेकिन 13 मई को हुए परीक्षण ने दुनिया को यह दिखाया कि भारत का नेतृत्व एक ऐसे नेता के हाथ में है, जो अलग मिट्टी से बना है। उन्होंने दुनिया को संदेश दिया कि यह पुराना भारत नहीं है। दुनिया जान चुकी थी, भारत अब दबाव में आने वाला देश नहीं। परमाणु परीक्षण की वजह से प्रतिबंध भी लगे, लेकिन देश ने सबका मुकाबला किया। वाजपेयी सरकार के शासन काल में कई बार सुरक्षा चुनौतियां आईं। कारगिल युद्ध का दौर आया। संसद पर आतंकियों ने कायराना प्रहार किया। हर स्थिति में अटल जी के लिए भारत और भारत का हित सर्वोपरि रहा। जब भी आप वाजपेयी जी के व्यक्तित्व के बारे में किसी से बात करेंगे तो वो यही कहेगा कि वे लोगों को अपनी तरफ खींच लेते थे। उनकी बोलने की कला का कोई सानी नहीं था। कविताओं और शब्दों में उनका कोई जवाब नहीं था। विरोधी भी वाजपेयी जी के भाषणों के मुरीद थे। युवा सांसदों के लिए वे चर्चाएं सीखने का माध्यम बनतीं। कुछ सांसदों की संख्या लेकर भी वे कांग्रेस की कुनीतियों का प्रखर विरोध करने में सफल होते। भारतीय राजनीति में वाजपेयी जी ने दिखाया कि ईमानदारी और नीतिगत स्पष्टता का अर्थ क्या है। संसद में कहा गया उनका ये वाक्य– सरकारें आएंगी, जाएंगी, पार्टियां बनेंगी, बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए– आज भी मंत्र की तरह हम सबके मन में गूंजता रहता है। वे जानते थे कि लोकतंत्र का मजबूत रहना कितना जरूरी है। आपातकाल के समय उन्होंने दमनकारी कांग्रेस सरकार का जमकर विरोध किया, यातनाएं झेली। जेल जाकर भी संविधान के हित का संकल्प दोहराया। एनडीए की स्थापना के साथ उन्होंने गठबंधन की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित किया। अनेक दलों को साथ लाए और एनडीए को विकास और क्षेत्रीय आकांक्षाओं का प्रतिनिधि बनाया। पीएम पद पर रहते हुए उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं का जवाब हमेशा बेहतरीन तरीके से दिया। वे ज्यादातर समय विपक्षी दल में रहे, लेकिन नीतियों का विरोध तर्कों और शब्दों से किया। उनमें सत्ता की लालसा नहीं थी। तभी तो 1996 में उन्होंने जोड़–तोड़ की राजनीति नहीं चुनकर, इस्तीफा देने का रास्ता चुन लिया। बेशक 1999 में उन्हें सिर्फ एक वोट के अंतर के कारण पद से इस्तीफा देना पड़ा। पीएम अटल बिहारी वाजपेयी शुचिता की राजनीति पर चले। अगले चुनाव में उन्होंने मजबूत जनादेश के साथ वापसी की। संविधान के मूल्यों के संरक्षण में भी उनके जैसा कोई नहीं था। डॉ. श्यामा प्रसाद के निधन का उन पर बहुत प्रभाव पड़ा था। वे आपातकाल के खिलाफ लड़ाई का भी बड़ा चेहरा बने। इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव से पहले उन्होंने 'जनसंघ' का जनता पार्टी में विलय करने पर भी सहमति जता दी। मैं जानता हूं कि यह निर्णय सहज नहीं रहा होगा, लेकिन वाजपेयी जी के लिए हर राष्ट्रभक्त कार्यकर्ता की तरह दल से बड़ा देश था, संगठन से बड़ा संविधान था। अटल जी को भारतीय संस्कृति से भी बहुत लगाव था। विदेश मंत्री बनने के बाद जब संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषण देने का अवसर आया, तो उन्होंने पूरे देश को हिंदी से जोड़ा। पहली बार किसी ने हिंदी में संयुक्त राष्ट्र में अपनी बात कही। आम भारतीय की भाषा को संयुक्त राष्ट्र के मंच तक पहुंचाया। राजनीतिक जीवन में होने के बाद भी, वे साहित्य और अभिव्यक्ति से जुड़े रहे। वे एक ऐसे कवि और लेखक थे, जिनके शब्द हर विपरीत स्थिति में आशा और सृजन की प्रेरणा देते थे। वे हर उम्र व वर्ग के भारतीय के प्रिय थे। मेरे जैसे भाजपा के असंख्य कार्यकर्ताओं को उनसे सीखने का, उनके साथ काम करने का, संवाद करने का अवसर मिला। अगर आज बीजेपी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है तो इसका श्रेय उस अटल आधार को है, जिस पर ये दृढ़ संगठन खड़ा है। उन्होंने बीजेपी की नींव तब रखी, जब कांग्रेस का विकल्प बनना आसान नहीं था। उनके नेतृत्व, सियासी दक्षता ने बीजेपी की राह लोकप्रिय पार्टी के रूप में प्रशस्त की। लालकृष्ण आडवाणी और डॉ. मुरली मनोहर जोशी जैसे दिग्गजों के साथ, उन्होंने पार्टी को अनेक चुनौतियों से निकालकर सफलता तक पहुंचाया। जब भी सत्ता और विचारधारा में से एक को चुनने की स्थितियां आईं, उन्होंने विचारधारा को चुना। वे देश को समझाने में सफल हुए कि कांग्रेस के दृष्टिकोण से अलग वैकल्पिक वैश्विक दृष्टिकोण संभव है। आज उनका रोपित बीज, एक वटवृक्ष बनकर राष्ट्र सेवा की नव पीढ़ी को रच रहा है। अटल जी की 100वीं जयंती, भारत में सुशासन के एक राष्ट्र पुरुष की जयंती है। आइए हम सब इस अवसर पर, उनके सपनों को साकार करने के लिए मिलकर काम करें। हम एक ऐसे भारत का निर्माण करें, जो सुशासन, एकता और गति के अटल सिद्धांतों का प्रतीक हो। मुझे विश्वास है, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के सिखाए सिद्धांत ऐसे ही, हमें भारत को नव प्रगति और समृद्धि के पथ पर प्रशस्त करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

मनुष्यता को मूल रूप में दर्शाती फिल्मों के सृजक

राजेन्द्र

नब्बे की उम्र और किडनी के रोग से ग्रसित फिल्मकार श्याम बेनेगल सोमवार की शाम इस फानी दुनिया को अलविदा कह गये। श्याम बेनेगल भारतीय सिनेमा का वो नाम है जिन्होंने सिनेमा को एक अलग ही रूप–रंग देकर दुनिया की वास्तविकता को पर्दे पर उतारा। सत्यजीत रे और ऋत्विक घटक की परंपरा के निर्देशक श्याम बेनेगल का जाना पूरी फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक एक बड़ी क्षति है। 14 दिसंबर, 1934 को हैदराबाद में एक साधारण परिवार में जन्मे श्याम बेनेगल जब छह–सात साल के थे तब पहली बार फिल्म देख कर इस कदर सम्मोहित हुए थे कि उसी समय ठान लिया था कि जीवन भर फिल्में ही बनाएंगे। अर्थशास्त्र में परास्नातक करने के उपरांत युवा श्याम ने फोटोग्राफी शुरू की। उनके पिता भी फोटोग्राफर थे। फिल्म बनाने के जुनून ने निर्माण की तकनीक को जानने–समझने के लिए शुरुआत में हिन्दुस्तान लीवर में कॉपी एडीटर का काम शुरू किया और उसके लिए एक विज्ञापन लिखा। उनके लिखे विज्ञापन को लोगों ने काफी पसंद किया। उस विज्ञापन को राष्ट्रपति पुरस्कार भी मिला। फिल्म इंडस्ट्री में बतौर निर्देशक 1974 में श्याम ने अपनी शुरुआत 'अंकुर' से की थी, जो नारी सशक्तीकरण और सामाजिक मुद्दों पर आधारित थी। इस फिल्म ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। फिल्म 'अंकुर' की चर्चा सिर्फ भारत में ही नहीं, विदेशों में भी हुई। इस फिल्म की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 'अंकुर' ने 40 से ज्यादा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड हासिल किये। अंकुर रिलीज होने के बाद व्ही. शांताराम ने फोन कर श्याम बेनेगल से पूछा कि ऐसी फिल्म कैसे बनाई? अब तक क्या कर रहे थे? फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े शोमैन राजकपूर ने उनसे कहा कि तुमने पहले कभी फिल्म नहीं बनाई, फिर भी इतनी अच्छी फिल्म बना दी। ये कैसे किया? इसके बाद श्याम बेनेगल ने मंथन, कलयुग, निशांत, आरोहण, 'भूमिका', जुनून, मंडी, जुबैदा, भूमिका, मम्मो, सरदारी बेगम, सूरज का सातवां घोड़ा, वेलकम टू सज्जनपुर, मुजीब रू एक राष्ट्र का निर्माण जैसी यादगार फिल्में बनाई। श्याम बेनेगल ने जवाहरलाल नेहरू और सत्यजीत रे पर डॉक्यूमेंट्री बनाने के अलावा दूरदर्शन के लिए धारावाहिक 'यात्रा', 'कथा सागर' और 'भारत एक खोज' का भी निर्देशन किया। कला के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए साल 1991 में उन्हें पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। साल 2007 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से भी नवाजा गया। उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता के साथ प्रस्तुत करती हैं। इसके नेपथ्य में थी श्याम बेनेगल की साधना। सिनेमा के प्रति उनकी स्पष्ट सोच थी कि मेरी सबसे ज्यादा दिलचस्पी अपने देश के बारे में हरसंभव चीज जानने की होती है। मुझे लगता है, मेरी फिल्मों के जरिए मेरी ही तरह दर्शक भी हिंदुस्तान को उसके असल रंग–रूप में देख–जान पाते हैं। मानवीय पहलू वाला सिरा आपको पकड़कर रखना पड़ता है, वह छूट गया तो आप उस व्यक्ति को सुपरमैन, अति–महान टाइप बना डालेंगे, किसी व्यक्ति को उसकी कमजोरियों के साथ देखना होता है। आम आदमी से उनके सरोकारों का प्रतिफल था कि 1976 में रिलीज हुई फिल्म 'मंथन' के निर्माण की कहानी आज भी हैरानी में डाल देती है कि इस फिल्म के प्रोड्यूसर कोई और नहीं बल्कि, 5 लाख किसान थे। 'मंथन' की कहानी श्वेत क्रांति यानी दुग्ध क्रांति पर आधारित है, इस विषय वस्तु पर फिल्म बनाने का फैसला कर चुके श्याम बेनेगल के सामने समस्या यह थी कि फिल्म पर पैसा कौन लगाएगा। इसी ऊहापोह में फिल्म का बजट तैयार हुआ करीब 10 लाख रुपये। दुग्ध क्रांति के नायक डॉ. कुरियन ने बजट का एक तरीका निकाला। तय हुआ कि दुग्ध्ध क्रांति से लाभान्वित गांवों में बनाई गई समितियों को हर पैकेट पर 2 रुपये कम लें जिससे फिल्म का पूरा बजट निकल गया। किसानों ने खुश होकर दूध के पैकेट पर 2–2 रुपये कम कर लिए। साल 1976 में जब 'मंथन' रिलीज हुई तो इसे देखने के लिए भी गांव के लोगों की भारी भीड़ सिनेमाघरों तक पहुंची। किसी फिल्म के निर्माता पांच लाख किसान हों, यह अपने आप में एक ऐतिहासिक बात है। आम आदमी से जुड़े उनके सरोकार ही थे कि श्याम बेनेगल ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र को अपनी 2500 उपयोगी किताबें सौंपी थी। सिनेमा हो या निजी जीवन, दोनों ही में उनके लिए मानवीय सरोकार पहले थे। भारतीय जनता पार्टी से वैचारिक दूरी होते हुए वर्ष 2015 में लेखकों द्वारा पुरस्कार वापसी अभियान से श्याम बेनेगल सहमत नहीं थे। तब एक इंटरव्यू में उन्होंने साफ–साफ कहा था कि 'पुरस्कार देश देता है, सरकार नहीं। मेरी नजर में पुरस्कार लौटाने का कोई मतलब नहीं है।' श्याम बेनेगल ने आपातकाल का खुलकर प्रतिरोध किया था। इसके बावजूद यह श्याम बेनेगल की शख्सियत ही थी कि इंदिरा गांधी ने एक बार उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि उनकी फिल्में मनुष्यता को अपने मूल स्वरूप में तलाशती हैं।

खलनायकों के महिमा मंडन और नायकों पर लांछन का दौर

स्वतंत्रता संग्राम जिस भारतीयता के मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रहा था, उसकी राह में अवरोध डालने का काम ये ताकतें लम्बे समय से करती रहीं। एक ओर तो गांधी और उनसे जुड़े संगठन व लोग चाहते थे कि अंग्रेजों के खिलाफ न सिर्फ यह लड़ाई सभी भारतीय मिल–जुलकर लड़ें बल्कि अभी ही सर्वधर्म समभाव तथा भाई–चारे की बुनियाद भी डालें जिसके आधार पर सम्प्रभु भारत विकास करे। पिछले दशक भर से भारत एक ऐसा दौर देख रहा है जिसमें डंके की चोट पर राष्ट्रनायकों को लांछित और खलनायकों को महिमा मंडित किया जा रहा है– वह भी ऐसे वक्त में जब देश अपनी आजादी के कथित अमृतकाल से गुजर रहा है और संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का जश्न मना रहा है। चेतना और विवेक का ऐसा विकृत रूप इसके पहले कभी नहीं देखा गया था। वैसे तो किसी के लांछनों और बदनाम करने के प्रयासों से हमारे राष्ट्रनायकों की उज्ज्वल छवि कतई मलिन नहीं होने जा रहीय और न ही किसी कुपात्र के होने वाले महिमा मंडन से कोई नायकों की पंक्ति में जा बैठेगा, तो भी किसी भी देश के इतिहास में यह दुर्भाग्यजनक व स्याह दौर के रूप में दर्ज तो होगा ही। समय के साथ चढ़ाया गया कृत्रिम रंग उतर जायेगा तथा जो सम्मान के वास्तविक उत्तराधिकारी हैंय और जो स्वतंत्रता आंदोलन की भक्ती में तपकर पहले ही कुंदन बन चुके हैं, उन्हें बदनामी का दौर और भी चमकाएगा– यह तय है। बस, देश की जो स्वर्णिम विरासत है और जिसने देश के लिये दुनिया भर में सम्मान अर्जित किया, उसे गिराने की कोशिशें एक सामूहिक निराशा का सबब जरूर है। डर यह भी है कि आने वाले समय में देश के स्वतंत्रता आंदोलन, अर्जित आजादी, स्वतंत्र भारत के पुनर्निर्माण और उनसे जुड़े लोगों को इस कदर विकृत कर दिया जायेगा कि देश का बड़ा नुकसान हो जायेगा क्योंकि ऐसा तीव्र घृणा और हिंसक विचारों के जरिये होगा। इस रास्ते बनने वाले समाज के विकारों से आगामी कई पीढ़ियां उबर नहीं पायेंगी। यह कोई ताजा मानसिकता नहीं है। जब देश स्वतंत्र हुआ तब ऐसी भी विचारधाराएं थीं जिन्होंने इसे झूठी आजादी बताया। जिस रास्ते से चलकर देश को आजादी मिली, वह दुनिया के लिये नया विचार था जिसने अनेक देशों को अपनी मुक्ति के लिये प्रेरित किया– सत्य और अहिंसा का। महात्मा गांधी द्वारा प्रवर्तित इस विचार के पीछे–पीछे धर्मनिरपेक्षता, समानता, बन्धुत्व और न्यायपूर्ण समाज की अवधारणाएं भी चलकर आईं जिनके बूते देश वापस अपने पांवों पर खड़ा हो सका। ये पाये एक सभ्य, आधुनिक एवं लोकतांत्रिक देश के निर्माण के लिये अपरिहार्य थे। एक ऐसे वर्ग ने विचारों के इस पैकेज से बैर ठान लिया जिसके मन में समाज की अवधारणा एकदम विपरीत थी। अनेक ऐसे लोगों एवं संगठनों को न तो यह अवधारणा रास आई और न ही उस चमकदार विचारधारा से जुड़ी शख्सियतें जो असंख्य लोगों के लिये आज भी प्रेरणा पुंज बनी हुई हैं। स्वतंत्रता संग्राम जिस भारतीयता के मूल्यों को लेकर आगे बढ़ रहा था, उसकी राह में अवरोध डालने का काम ये ताकतें लम्बे समय से करती रहीं।

मोदीशाही की गोयबल्सीय रणनीति

आरक्षण का मुद्दा एक और ऐसा मुद्दा है, जिस पर मोदीशाही ने एक्यूजेशन इन मिरर रणनीति का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया है। और यह स्वाभाविक भी है क्योंकि धर्मनिरपेक्षता के बाद इसी मामले में उसकी नीयत सबसे ज्यादा संदेह के घेरे में है। इसकी सीधी सी वजह यह है कि संघ–भाजपा का मनुवादी विचारधारात्मक आधार इतना हाल–हाल तक लिखत–पढ़त में बना रहा है कि, न उसे छुपाना संभव है और न उनके लिए उसके खिलाफ जाना संभव है। एक्यूजेशन इन मिरर उस झूठे दावे का नाम है, जिसमें शिकार होने वाले पर शिकारी द्वारा वह सब करने का आरोप लगाया जाता है, जो वह खुद कर रहा होता है या करने का इरादा रखता है। संविधान के 75वें वर्ष के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों में हुई बहस में सत्तापक्ष की ओर से सबसे बढ़कर एक्यूजेशन इन मिरर की प्रचार रणनीति का ही सहारा लिया जा रहा था। वैसे संघ परिवार के इस रणनीति का सहारा लेने में शायद ही किसी को हैरानी होनी चाहिए, क्योंकि यह रणनीति गोयबल्स की शिक्षाओं तथा उसके अमल पर ही आधारित मानी जाती है। फिर भी यह बात अतिरिक्त रूप से चिंतित करने वाली जरूर है कि आधुनिक नरसंहारों के विभिन्न अध्ययनों के अनुसार, यह रणनीति नरसंहारकर्ताओं की आम रणनीति रहती आयी हैय ऐसी रणनीति का संविधान की महत्ता इस गोयबल्सीय रणनीति का सहारा लेकर ही मोदी की भाजपा और उसके सहयोगी भी, अपने साढ़े दस साल के राज में संविधान के एक प्रकार से ध्वस्त ही कर दिए जाने और उससे भी बढ़कर अब भी लगतार ध्वस्त किए जाने की कड़वी सच्चाइयों को, अपने विरोधियों पर ही संविधान को ध्वस्त करने के आरोप लगाने के जरिए छुपाने की कोशिश कर रहे थे। याद रहे कि एक धर्मनिरपेक्ष जनतांत्रिक संविधान को ध्वस्त कर के, उसकी जगह पर एक हिंदू राज के नाम पर सांप्रदायिक तानाशाही को बैठाने की इस परियोजना में, अब भी कोई पक्की रुकावट नहीं आयी है। यह तब है जबकि इसी वर्ष हुए आम चुनाव में, संविधान को बदलने के उसके इरादों पर विपक्ष के सुगठित प्रहार ने, न सिर्फ इन्हें चुनाव में बचाव पर पड़ने के लिए मजबूर कर दिया था, बल्कि मोदी की भाजपा और उसके नेतृत्ववाले गठजोड़ को, चार सौ पार के उसके मंसूबों और उसके आधार पर संविधान बदलने के इरादों से काफी सुरक्षित दूरी पर ही, रोक दिया था। हैरानी की बात नहीं है कि आम चुनाव के समय से ही और खासतौर पर चुनाव नतीजे आने के बाद से, पूरी संघी बिरादरी इसका रक्षात्मक प्रचार करने में लगी रही थी कि उसके संविधान को बदलने के इरादों के, अपने झूठे नैरेटिव के जरिए ही उसके विरोधी आम चुनाव में अपनी ताकत काफी बढ़ाने में कामयाब रहे थे। पहले हरियाणा और फिर महाराष्ट्र में विधानसभाई चुनाव में अपनी संदिग्ध किंतु स्पष्ट जीत के बाद से तो उनके इस प्रचार में एक नयी और बढ़ती हुई आक्रामकता भी दिखाई देने लगी है। एक प्रकार से बड़े झीने से पर्दे के पीछे से उन्होंने इसका दावा ही शुरू कर दिया है कि आम चुनाव में जनता बहक गयी थी और अब उसने तेजी से अपनी गलती सुधारनी शुरू कर दी है! बहरहाल, एक्यूजेशन इन मिरर की ही रणनीति का सहारा लेकर, इस मिथ्या प्रचार को एक नयी ऊंचाई पर ले जाने की कोशिश की जा रही है, जहां वे संविधान को घाव भी देते रहेंगे और उसी समय इसका शोर भी मचा रहे होंगे कि विपक्ष ही संविधान को घायल कर रहा है। इस मुहिम के लगातार जारी होने का सबूत तब मिल गया, जब राज्यसभा में जिस समय संविधान के 75 वर्ष पर बहस का, मोदी राज में अपनी नंबर दो की हैसियत का और खुला ऐलान करते हुए, गृहमंत्री अमित शाह जवाब दे रहे थे, ठीक उसी समय लोकसभा में मोदीशाही द्वारा तथाकथित एक देश, एक चुनाव के अपने नारे को लागू करने के लिए, दो–दो विधेयक पेश किए जा रहे थे। यह पूरा प्रोजेक्ट किस तरह भारत के पूरे संघीय ढांचे को ही उलट–पुलट कर देने वाला है और इसके साथ ही साथ हमारी संसदीय जनतांत्रिक व्यवस्था को गंभीरता से भीतर से खोखला कर देने वाला है, इसके विस्तार में हम यहां नहीं जाएंगे। इसी प्रकार, हम यहां इसके विस्तार में भी नहीं जाएंगे कि किस तरह इस नारे को एक अलोकतांत्रिक हठ के साथ, देश पर इसके बावजूद थोपने की कोशिश की जा रही है कि देश, इस सवाल पर साफ तौर पर और दो लगभग बराबर के हिस्सों में बंटा हुआ है। इस विभाजन का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि लोकसभा में इन विधेयकों को पेश किए जाने के प्रस्ताव पर हुए मत विभाजन में बेशक , 263 वोट के साथ उक्त प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया, लेकिन इस प्रस्ताव के खिलाफ भी पूरे 198 वोट पड़े थे। यह भी याद रहे कि उक्त विधेयकों में संविधान संशोधन के प्रस्ताव भी शामिल हैं, जिनके लिए संसद के दोनों सदनों में दो–तिहाई बहुमत की न्यूनतम शर्त है। लेकिन, लोकसभा में जिन कुल 461 सदस्यों ने वोट किया, उनका दो–तिहाई आंकड़ा 307 होता है। जाहिर है कि इन संशोधनों के पक्ष में दो–तिहाई बहुमत दूर–दूर तक नहीं है। वैसे बड़े विडंबनापूर्ण तरीके से यह प्रकरण एक बार फिर चार सौ पार के नारे की याद दिला देता है। चार सौ पार का आंकड़ा इसी तरह मनमर्जी से संविधान संशोधन थोपने के लिए ही तो चाहिए था, जिस सच्चाई को उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान तथा कर्नाटक, देश के अलग–अलग कोनों से भाजपा नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान, नासमझी से उजागर कर दिया था। इसे एक्यूजेशन इन मिरर का उदाहरण नहीं तो और क्या कहेंगे कि जिस मोदीशाही ने दोनों सदनों में संविधान पर बहस में, अब तक हुए संविधान संशोधनों की कथित रूप से बड़ी संख्या को इसका सबूत बनाकर पेश करने की कोशिश की थी कि कैसे उसके राज से पहले सत्ता में रहे लोग संविधान से खिलवाड़ ही करते रहे थे, वही लोकसभा में बहस के एक दिन बाद ही, संविधान में संशोधन के प्रस्ताव ले आयी। याद रहे कि इस सिलसिले में मोदीशाही ने अर्द्धसत्य का सहारा लेते हुए, संविधान के पहले संशोधन के बहाने से, यह कहकर कि यह संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हरण करने के लिए लाया गया था, जवाहरलाल नेहरू को ही संविधान के साथ खिलवाड़ की जड़ बताने की कोशिश की थी। और नेहरू के मुख्यमंत्रियों के लिए पत्र में यह लिखने को भारी अपराध बनाने की कोशिश की थी कि, अगर संविधान आड़े आता है तो उसमें भी बदलाव किए जा सकते हैं। लेकिन, खुद अमित शाह के आंकड़े के अनुसार, भाजपा के 16 साल के राज में कुल 22 संविधान संशोधन किए गए हैं, जबकि कांग्रेस के 55 साल के राज में 77 संशोधन किए गए थे।

लखनऊ में होटल लीजेंड–इन द्वारा अवैध तरीके से सीवर सफाई करवाने का मामला, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर स्थित होटल लीजेंड–इन के संचालक सरकार एवं न्यायालय के आदेशों की धज्जिया उड़ाते हुए अवैधानिक तरीके से प्राइवेट सफाई कर्मचारी को सीवर मैनहोल के अंदर उतार कर सफाई करवा रहे है। सीवर में सफाई के दौरान कर्मचारियों की मौत के कई मामले सामने आए। पहले भी कई बार सीवर में सफाई करते हुए कर्मचारियों की मौत का मामला तूल पकड़ चुका है। यहां तक सुप्रीम कोर्ट भी इसमें फटकार लगा चुका है। ऐसा करवाने वाले के खिलाफ नियमानुसार जुर्माना और सजा का प्रविधान किया गया है। नियम के तहत पहली बार कानून की अवहेलना पर दो लाख रुपये का जुर्माना या दो साल की जेल या दोनों हो सकते हैं। दूसरी बार उल्लंघन करने पर पांच लाख रुपये का जुर्माना, पांच वर्ष की जेल या दोनों का प्रविधान कानून में है। कोई भी व्यक्ति सीवर में घुसे सफाई मित्र की फोटो लेकर पुलिस थाने में एफआइआर दर्ज करवा सकता है। सुएज इंडिया के हेल्थ एन्ड सेफ्टी ऑफिसर पंकज सिंह ने बताया सीवर मैनहोल में प्रवेश करना अत्यंत खतरनाक है, क्योंकि इसमें जहरीली गैसें (जैसे कि मीथेन और हाइड्रोजन सल्फाइड) मौजूद हो सकती हैं, जो जानलेवा होती हैं। सफाई कर्मियों को बिना उचित उपकरण, गैस डिटेक्टर, और सुरक्षा किट के सीवर में भेजना सीधे उनकी जान को जोखिम में डालना है। होटल लीजेंड–इन के संचालक बिना किसी के अनुमति लिए प्राइवेट कर्मी को सीवर मैनहोल के अंदर उतार कर सफाई करवा रहे है इससे जलकल, नगर निगम एवं सुएज इंडिया की छवि खराब हो रही है । यह घटना मानवाधिकारों का उल्लंघन का मामला है। प्रशासन को इसे एक उदाहरण के तौर पर लेते हुए दोषियों को दंडित करना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय में अनियमितता, गंदगी और एमडीएम की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर बीएसए हुये नाराज, प्रधानाध्यापक को स्पष्टीकरण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शासन की मंशानुरूप बेसिक शिक्षा विभाग में गुणवत्ता संवर्धन एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 गोरखनाथ पटेल ने विभिन्न प्राथमिक और कम्पोजिट विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। विकास खण्ड करंजाकला प्राथमिक विद्यालय पदुमपुर के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय में उपस्थित छात्रों के साथ प्रार्थना सभा में प्रतिभाग किया। विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक दिवाकर सिंह, दिनेश एवं शिक्षामित्र श्रीमती सीमा देवी अनुपस्थित पाये गये। विकास खण्ड करंजाकला के कम्पोजिट विद्यालय के निरीक्षण कि दौरान विद्यालय में कार्यरत सहायक अध्यापक अल्का श्रीवास्तव, शुभम मौर्य एवं शिक्षामित्र कृपाशंकर अनुपस्थित पाये गये। विकास खण्ड करंजाकला के कम्पोजिट विद्यालय, हैदरपुर के निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्रधानाध्यापक विद्यालय में 10:10 बजे निरीक्षण के समय कैजुवल ड्रेस में असामान्य स्थिति में उपस्थित हुए। रसोई घर अत्यन्त गन्दा, खाद्य सामग्री मानक के विपरीत पाया गया। रसोई घर में मसाले व अन्य सामग्री रखने हेतु कंटेनर नहीं पाया गया, जिसके कारण प्रभारी प्रधानाध्यापक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। विकास खण्ड शाहगंज के कम्पोजिट विद्यालय अतरौरा के निरीक्षण के समय समस्त स्टाफ उपस्थित पाये गये। विद्यालय में मध्यान्ह् भोजन हेतु खाद्य सामग्री मानक के विपरीत पाया गया तथा प्रत्येक गुरुवार को वितरित होने वाले अतिरिक्त खाद्य सामग्री यथा–मूगंफली

की चिक्की, चना इत्यादि का वितरण नहीं होने के कारण प्रधानाध्यापक रत्नाकर यादव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। विकास खण्ड शाहगंज के कम्पोजिट विद्यालय पकड़ी के निरीक्षण के समय समस्त स्टाफ उपस्थित पाये गये। मध्यान्ह् भोजन चूल्हे पर बनता पाया गया, जबकि विद्यालय पर एलपीजी कनेक्शन है। मध्यान्ह् भोजन बनाने के लिए बर्तन क्रय करने हेतु धनराशि 20000 के सापेक्ष सामग्री उपलब्ध नहीं पायी गयी। प्रधानाध्यापक द्वारा बताया गया कि सामग्री घर पर रखी गयी है। रसोई घर में मसाले व अन्य सामग्री रखने हेतु कंटेनर नहीं पाया गया। खेलकूद सामग्री क्रय नहीं की गयी थी। शौचालय गन्दा पाया गया तथा पाइप रखी गयी। विद्यालय में व्याप्त कमियों के कारण प्रधानाध्यापक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया। विकास खण्ड शाहगंज के कम्पोजिट विद्यालय गोधना के निरीक्षण के समय मध्यान्ह् भोजन ग्रहण करने हेतु विद्यालय में अध्ययनरत बच्चे तीतर–बीतर होकर भोजन ग्रहण कर रहे थे, कुछ बच्चे रसोई घर में रोटी लेने हेतु धक्का–मुक्की कर रहे थे समस्त स्टाफ कक्षा–कक्ष में बैठे हुए थे, जिसके कारण जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने समस्त स्टाफ को फटकार लगाते हुए बच्चों को बरामदे में पंक्तिबद्व बैठाकर भोजन कराया। विद्यालय में व्याप्त कमियों के कारण प्रधानाध्यापक अखिलेश चन्द्र यादव सहित समस्त अध्यापकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया, तथा सभी को निर्देशित किया गया कि सभी समय से विद्यालय उपस्थित होकर पठन–पाठन करने हेतु निर्देशित किया गया।

अटल आवासीय विद्यालय, करसड़ा, वाराणसी में कक्षा-06 व 09 (सत्र 2025-26) में प्रवेश सम्बन्धित सूचना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । सहायक श्रमायुक्त देवब्रत यादव ने अवगत कराया है कि उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालय, करसड़ा, वाराणसी, के शैक्षणिक सत्र 2025–26 में प्रवेश हेतु उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों, कोविड–19 की महामारी के दौरान कोरोना से निराश्रित हुए बच्चों (महिला कल्याण विभाग लखनऊ से प्राप्त सूची के आधार पर) तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के लिये पात्र बच्चों को सामाज की मुख्य धारा से जोड़े जाने हेतु कक्षा–06 में उपलब्ध कुल 140 सीट (70 बालक एवं 70 बालिकायें) व कक्षा–09 में उपलब्ध कुल 140 सीट (70 बालक एवं 70 बालिकायें) के लिए प्रवेश परीक्षा हेतु ऑफलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किया जा रहा है। प्रवेश परीक्षा की तिथि 16 फरवरी 2025 को समय पूर्वाह्न 11.00 बजे से अपराह्न 1.00 बजे तक निर्धारित है। आवेदन पत्र किसी भी सामान्य कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक 26 दिसम्बर 2024 से निःशुल्क कार्यालय सहायक श्रमायुक्त जौनपुर एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है अथवा एन0आई0सी0 जौनपुर की वेबसाइट से निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। पूर्ण रूप से भरे हुये आवेदन पत्र कार्यालय सहायक श्रमायुक्त जौनपुर एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय जौनपुर में आवेदन–पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 25 जनवरी 2025 सायं 5.00 बजे तक जमा किये जा सकते है। 30 नवम्बर 2024 को कम से कम 03 वर्ष बोर्ड की सदस्यताध्पंजीकरण अवधि पूर्ण कर चुके अद्यतन नवीनीकृत निर्माण श्रमिकों के अधिकतम दो बच्चे, कोविड–19 से अनाथ हुए बच्चे जिनका महिला एवं बाल कल्याण विभाग में पंजीयन हो अथवा मुख्यमंत्री बालसेवा योजना (सामान्य) हेतु पात्र बच्चे, प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होनेध्आवेदन करने के लिए पात्र होंगे। कक्षा–06 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्मतिथि 01 मई 2013 से 31 जूलाई 2015 के मध्य तथा कक्षा–09 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की जन्मतिथि 01 मई 2010 से 31 जुलाई 2012 के मध्य होना आवश्यक है। कक्षा–06 की प्रवेश परीक्षा में मानसिक क्षमता परीक्षण, अंकगणित परीक्षण, भाषा परीक्षण के 100 अंक के 80 प्रश्न एवं कक्षा–09 हेतु अंग्रेजी, हिन्दी, गणित, विज्ञान के 100 अंक के प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें उच्च प्राप्तांकों के अनुसार चयन मेरिट के आधार पर होगा। प्रवेश से संबंधित किसी प्रकार की समस्या के लिए कार्यालय के फोन नंबर–05452–240478 पर एवं कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जौनपुर में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रदेशीय महिला खेल समारोह का दूसरा दिन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष 25 दिसम्बर, 2024 को प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबाल एवं खो–खो प्रतियोगिता के दूसरे दिन के मैच का विवरण इस प्रकार है–वॉलीबाल में क्वार्टर फाइनल का पहला मैच लखनऊ बनाम मेरठ के मध्य खेला गया जिसमें लखनऊ की टीम (2–0) 25–8, 25–7 से विजेता हुई। दूसरा मैच अलीगढ़ बनाम गोरखपुर के मध्य खेला गया जिसमें गोरखपुर की टीम (2–0) 25–11, 25–13 से विजेता रही। तीसरा क्वार्टर फाइनल मैच कानपुर बनाम झांसी के मध्य हुआ जिसमें कानपुर की टीम (2–0) 25–14, 25–22 से विजेता रही। चौथा क्वार्टर फाइनल मैच आजमगढ़ एवं वाराणसी के मध्य खेला गया जिसमें आजमगढ़ की टीम (2–0) 25–18, 25–22 विजेता हुई। पहला सेमीफाइनल मैच लखनऊ बनाम गोरखपुर के मध्य दूसरा सेमीफाइनल मैच कानपुर बनाम आजमगढ़ के मध्य दिनांक 27.12.2024 को प्रातः 8 बजे खेला जायेगा। खो–खो में प्री क्वार्टर फाइनल का पहला मैच मेरठ एवं अयोध्या के मध्य खेला गया जिसमें मेरठ की टीम 9 अंको से विजयी हुई। दूसरा मैच देवीपाटन एवं प्रयागराज के मध्य खेला गया जिसमें देवीपाटन की टीम 1 अंक से विजयी हुई। तीसरा मैच बरेली एवं अलीगढ़ के मध्य खेला गया जिसमें अलीगढ़ 11 अंकों से विजेता हुई। चौथा मैच लखनऊ एवं मुरादाबाद के मध्य खेला गया जिसमें लखनऊ की टीम 01 अंक से विजयी हुई। क्वार्टर फाइनल का पहला मैच वाराणसी एवं मेरठ के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी की टीम 9 अंकों से विजेता हुई। दूसरा मैच देवीपाटन एवं बस्ती के मध्य खेला गया जिसमें 6 अंकों से देवीपाटन की टीम विजयी रही। तीसरा मैच गोरखपुर एवं अलीगढ़ के मध्य खेला गया जिसमें 5 अंकों से गोरखपुर की टीम विजयी रही। चौथा मैच लखनऊ बनाम मेरठ के मध्य खेला गया जिसमें लखनऊ की टीम 1 अंक से विजेता रही।

सीएमओ सहित अन्य चिकित्सकों के मुताबिक ठंड में जरा सी लापरवाही पर जा सकती जान

ठंड में हार्ट अटैक,ब्रेन हैम्रेज व निमोनिया जैसे घातक बीमारी की रहती है आशंका

अयोध्या। ठंड मे लोगो को काफी सावधानी बरतने की जरुरत होती है।क्योंकि इस समय जरा सी लापरवाही से लोगों की जान भी जा सकती है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजय जैन सहित अन्य चिकित्सकों का मानना है कि दिसंबर माह अब करीब करीब बीत चुका है जनवरी मां आने वाला है।देखा जाए तो जनवरी में अधिक ठंड पड़ती है।इसलिए सभी उम्र के लोगों को ठंड से बचने के लिए आवश्यक कदम उठाना जरूरी है।क्योंकि जरा सी लापरवाही से मनुष्य की जान भी जा सकती है।इस संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर संजय जैन ने बताया कि ठंड के माह में दिल का दौरा पड़ने,मस्तिष्क में खून का थक्का जमने का सबसे अधिक खतरा बना रहता है।क्यों कि प्रायः आए दिन यह देखने में आता है कि अधिकतर दिल का दौरा देर रात 2रू00 से लेकर भर 4रू00 के बीच में ही पड़ता है।यहां तक की जो सही समय से चिकित्सक के पास पहुंच जाते हैं उनके बचने की कुछ उम्मीद तो रहती है लेकिन अधिकतर मामले ऐसे आते हैं जिसमें दिल का दौरा पड़ने से लोगों की जान चली जाती है।उन्होंने बताया कि इसके लिए लोगो को ठंड के मौसम में खासकर सोते समय अचानक बिस्तर से नहीं उठना चाहिए।इसी तरह अमर हॉस्पिटल के प्रबंध निधि निदेशक व चिकित्सा डॉ अरविंद खरे का मानना है की ठंड में जब व्यक्ति बिस्तर पर रहता है तब उसका शरीर के अन्य भागों से रक्त का संचालन नहीं रहता है और अचानक जब बिस्तर छोड़ता है तब वही व्यक्ति दिल का दौरा पड़ने जैसे गंभीर बीमारी से ग्रसित हो जाता है और यहां तक की उसकी मौत हो जाती है।उन्होंने बताया कि आने वाले जनवरी माह में ठंड पड़ने की ज्यादा संभावनाएं रहती है।इसके लिए खासकर बुजुर्ग बच्चों को खास सतर्कता बरतने की होती है।जरूरत पड़ने पर ही अपने–अपने घरों से निकले।शक्ति नगर कॉलोनी स्थित कैलाश ईएनटी क्लीनिक के नाक कान गला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गौरव श्रीवास्तव का मानना है कि ठंड से खासकर बच्चों को जरूर बचाये।क्योंकि ठंड में छोटे–छोटे बच्चों को निमोनिया जैसे गंभीर बीमारी का खतरा रहता है।चिकित्सा डॉ पवन पांडे व डाक्टर अजय तिवारी ने संयुक्त रुप से बताया कि ठंड से बुजुर्ग तथा बच्चों को काफी बचाये।और जो लोग सरकारी कार्य अन्य कार्यों से बाहर निकल भी रहे हैं वे सभी ऊनी वस्त्र, टोपी, मफलर आदि वस्त्रो को ही पहन कर निकले।उन्होंने बताया कि जनवरी में ठंड अधिक पड़ती है इसके लिए लोग ठंड पानी से नहाने से परहेज करें।इसके साथ ही साथ ठंडी वस्तुओं का भी सेवन न करें।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संजय जैन के साथ–साथ इन सभी चिकित्सकों के लोगो से अपील किया कि ठंड के समय में दिल का दौड़ा, निमोनिया, मस्त का घाट सहित अन्य ऐसे गंभीर बीमारी के उत्पन्न होने की आशंका रहती है।जिससे कि मनुष्य की जान तक जाती जा सकती है इसलिए ठंड से अधिक से अधिक बचें।

अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्मशताब्दी पर काव्य गोष्ठी का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर कला एवं साहित्य के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती जौनपुर द्वारा तुलसी पूजन दिवस एवं परम श्रद्धेयभारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई जी कीजन्म शताब्दी पर एक साहित्य संगोष्ठी का आयोजन आर्ट ऑफ लिविंग इन नॉर्थ सेंटर ताड़तला,में किया गया। जिसमें विभिन्न कवियों ने अपने काव्य रचना के माध्यम से स्वर्गीय अटल जी जयंती पर अपनी रचनाएँ प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्वलन कर किया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से आमंत्रित कवियों में ष्कोशिश संस्था के जिला अध्यक्ष श्री जनार्दन प्रसाद अस्थाना ष्पथिकष जी ने प्रारंभ करते हुए 'श्रृंगाली से कभी डर के उसने सिर झुकाया क्या, पहाड़ों, जंगलों को छोड़कर उसने घर बनाया क्या ' काव्य पाठ किया,वरिष्ठ कवि श्री गिरीश श्रीवास्तव गिरीश जी ने 'अशोक मिश्रा जी , कल्लू स्नेही जी, रामजीत मिश्रा जी, फूलचंद्र भारती जी, संजय सिंह ष्सागर ष्जी, राजेश पांडे जी, अश्वनी कुमार तिवारी जी, श्रीमती सुमति श्रीवास्तव जी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संस्था के साहित्य विधा प्रमुख आलोक रंजन सिन्हा जी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ क्षितिज शर्मा जी ने संस्कार भारती, जौनपुर के प्रयास की सराहना करते कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एक नई दशा एवं दिशा प्रदान करते है। संस्था की अध्यक्ष डॉ ज्योति दास जी ने सभी कवियों का स्वागत करते हुए अपनी स्वरचित कविता का भी पाठ किया। इसके साथ ही जिला उपाध्यक्ष श्री ऋषि श्रीवास्तव के कविताओं ने भी सबका ध्यान आकृष्ट किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संरक्षक डॉ अरुण मिश्रा जी , रविंद्र नाथ जी, उपाध्यक्ष विष्णु जी,नरेंद्र पाठक जी, कोषाध्यक्ष राजकल जी,सह कोषाध्यक्ष मनीष जी,आय व्यय निरीक्षक राजेश किशोर जी,सह मंत्री बालकृष्ण जी, अरुण केशरी जी, रक्तदान प्रकल्प प्रमुख मयंक जी नाट्य विद्या प्रमुख अवधेश जी एवं राज केशरी , डॉ सूरज, अतुल सिंह ,श्रद्धानंद श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, संजय अग्रहरि,अजय गुप्ता, अभिताश गुप्ता,राजेंद्र जी, आशीष जायसवाल के साथ अन्य सदस्य उपस्थित रहें।कार्यक्रम के अंत मे जिला महामंत्री अमित गुप्ता(अंशु) जी ने सभी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

देवदूत हेल्पिंग हैंड के तत्वावधान में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन,500 जरूरतमंदों में बांटा कंबल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

आजमगढ़। मार्टिनगंज तहसील क्षेत्र के सेंट तुलसी ग्लोबल स्कूल आमगांव के प्रांगण में गुरुवार को देवदूत हेल्पिंग हैंड्स के तत्वावधान में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह में दीदारगंज क्षेत्र के दर्जनों गांवों के 500 गरीब, असहायों व दिव्यांगो को देवदूत हेल्पिंग हैंड्स के संस्थापक सदस्य, सेंट तुलसी ग्लोबल स्कूल के प्रबन्धंक, समाजसेवी दुर्गेश सिंह के हाथों कम्बल वितरित किया गया। कम्बल पाते ही उनके चेहरे पर खुशी के भाव स्पष्ट दिखाई दिए। इस मौके पर प्रबंधक श्री सिंह ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना ही ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा है। उन्होंने कहा कि सर्दी में गरीबों,

असहायों को कम्बल देकर सर्दी से बचाना पुण्य का काम है। गरीबों, असहायों की मदद के लिए आर्थिक रूप से मजबूत लोगों को आगे आना चाहिए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विनोद कुमार यादव, अभिषेक अस्थाना, दीपक कुमार मौर्य, रविकांत पटवा, साहिल आजमी, देवदूत हेल्पिंग हैंड्स के सदस्य गौरव सिंह, नारायण सिंह, अनूप सिंह परिहार, बलवंत सिंह, मनोज सिंह, नेहा सिंह, ऋचा सिंह, अनिल सिंह, उमेश बिंद, संतोष कुमार यादव, विशाल यादव, अंशू, भानू गुप्ता, हरेंद्र यादव, उपेंद्र सिंह गुड्डू, आकाश सिंह, रिशू सिंह, योगेश मिश्र, बृजेश सिंह, श्याम सेवक चौहान, संदीप बिंद, डॉ0 प्रेमचंद यादव, अभिषेक यादव आदि उपस्थित थे।

दो दिवसीय खेल–कूद प्रतियोगिता का भाजपा नेता अजय शंकर दुबे ने किया उद्घाटन

सुजानगंज,जौनपुर। एपेक्स एकेडमी के परिसर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय बच्चों का खेलकूद प्रतियोगिता का भाजपा नेता अजय शंकर दुबे ने फीता काट कर खेलकूद का शुभारंभ किया. अपने संबोधन में अजय शंकर दुबे ने बताया कि खेल कूद से बच्चों में प्रतिभा का संचार होता है, इससे बच्चों में भाईचारा और सौहार्द बढ़ता है, स्कूल के प्रबंधक द्वारा मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया. प्रबंधक विवेक मौर्य ने बताया कि यह खेल–कूद गुरुवार से प्रारम्भ होकर शुक्रवार शाम विजेताओं को मेंडल सम्मान प्रमाणपत्र देकर समापन किया जाएगा, उन्हों ने बताया कि खेल–कूद में कबड्डी, खो–खो, वालीबाल, लम्बी कूद,गोला फेंक, कुर्सी दौड़, रस्साकस्सी, आदि सहित विभिन्न खेल–कूद बच्चों द्वारा खेला जाएगा, कार्यक्रम के आयोजक प्रदीप कुमार मौर्य,ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया, इस अवसर पर अमित यादव, सुनील मौर्य, राजीव विश्वकर्मा, छोटेलाल तिवारी, विकास, उज्जवल, विवेक सिंह,दीपक यादव सहित लोग मौजूद रहे.

सचल खाद्य प्रयोगशाला जांच में आधा दर्जन नमूने पाए गए मानक के विपरीत

अयोध्या। गुरुवार को सहायक आयुक्त (खाद्य)–II द्वारा गठित टीम द्वारा सोहावल तहसील स्थित टाइनी टाट्स स्कूल और सोहावल चौराहा पर सचल खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से खाद्य पदार्थो के कुल 30 नमूनों की जांच की गयी।जिसमें से 24 नमूने मानक के अनुरूप पाए गए। जबकि 6 नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए।सौंफ के 2 नमूनों में रंग की उपस्थिति पायी गयी, जीरा एवं साबुत धनिया में बाह्य पदार्थ पाया गया जबकि पेड़ा और छेना स्वीट के दो नमूनों में स्टार्च विद्यमान पाया गया।जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत 55 खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, नियमावली एवं विनियमों के प्रावधानों कि जानकारी दी गयी।खाद्य सुरक्षा टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण हिमांशु जयंत और सुमित चौधरी सम्मिलित रहीं।

गोसाईगंज विधायक अभय सिंह का जन्मदिन पर समर्थकों ने दी बधाई

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गोसाईगंज विधानसभा विधायक अभय सिंह क आज उनके निज आवास राजेपुर मै जन्मदिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया ।इस अवसर पर काफी संख्या में गोसाईगंज विधायक अभय सिंह को उनके समर्थको द्वारा केक काटकर खिलाते हुए बधाई दी गई।इस मौकेपर विधायक श्री सिंह को कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पहुंचकर केक काटकर व 51 किलो की माला पहनाकर शुभकामना दिया।स्वागत से अभिभूत विधायक ने कहा कि आज हमारे जन्मदिन पर आप सब लोगो ने जो प्यार दुलार आशीर्वाद दिया है उसे हम कभी भी भूल नहीं सकते है।उन्होंने कहा कि गोसाईगंज विधानसभा हमारी कर्मस्थली रही है और यंहा की सम्मानित जनता हमारे लिए सर्वोपरि है।जनता के हित के लिए हम विधायक रहे या ना रहे हमेशा तत्पर रहेगे।हम और हमारा परिवार आप सबका आभारी है और हमेशा आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा।ये आप सबकी की उपस्थिति ने बता दिया है।इस अवसर पर अंबेडकर नगर जिला पंचायत सदस्य नीरज प्रताप सिंह, रंडौली पश्चिम पाली प्रधान प्रतिनिधि सुभाष वर्मा, असकरनपुर प्रधान प्रतिनिधि अजय तिवारी, मंगारी प्रधान बिरजू यादव,वरिष्ठ पत्रकार रणविजय सिंह, सुरेंद्र प्रताप सिंह, शेखर राणा, पम्मू राणा चौरे बाजार समेत काफी संख्या में गोसाईगंज विधायक अभय सिंह के समर्थकों की मौजूदगी रही।

यूनिट हेड ने पत्रकार सम्मान समारोह में चीनी मिल की गिनाई उपलब्धियां'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' बुधवार को रूपापुर चीनी मिल के यूनिट हेड संजीव तोमर की अध्यक्षता में पत्रकार परिचय सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें उन्होंने पत्रकारों को धन्यवाद ज्ञापित कर उन्हें नववर्ष का अग्रिम गिफ्ट देकर सम्मानित किया। पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने जिले की अग्रणी रूपापुर डीसीएम श्रीराम शुगर मिल्स की उपलब्धियों को साझा किया। मेरठ जिले के मूल निवासी रूपापुर चीनी मिल के यूनिट हेड संजीव तोमर ने प्रेस वार्ता में जिले की अन्य चीनी मिलों में 16 वर्षों से अनेक अहम पदों पर कार्य करने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि रूपापुर चीनी मिल ने चालू सत्र में अब तक 30 लाख 67 हजार कुन्तल गन्ना पिराई की है। जो गत वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। 16 दिसम्बर2024 तक चीनी मिल प्रबंधन की ओर से गन्ना किसानों को रूपये 86 करोड़ 23 लाख का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि गन्ना किसानों को गन्ने का भुगतान 15 दिन के अंदर हर हाल में कर दिया जाता है। गन्ना बुवाई के लिए मिल की ओर से 1लाख 50 हजार रुपये कीमत की 50 मशीनों का प्रबंध किया जा चुका है जिन पर गन्ना किसानों को रुपये 35 हजार सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। और उन्होंने बताया कि अन्ना पशुओं से फसल को बचाने के लिए झटका मशीन दी जा रही है जिस पर दो हजार रुपये की छूट दी जायेगी साथ ही अधिक उपज वाली गन्ना प्रजाति की बुवाई के लिए क्षेत्रीय किसानों को जागरूक किया जा रहा है। मृदा परीक्षण के लिए एक लैब बनाई गई है,इसमें आधा दर्जन से अधिक वैज्ञानिक परीक्षण करते हैं। इस दौरान उन्होंने गन्ना किसानों की समस्याओं को दूर करने एवं उनकी उपज को बढ़ाने के सुझाव भी मांगे हैं और कहा की मिल प्रबंधन की ओर से किसानों की समस्याओं को दूर करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर लीगल हेड यू0एन0 सिंह,ललित सैनी,अनुराग आदि के अतिरिक्त काफी संख्या में क्षेत्रीय पत्रकार मौजूद रहे।

ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के मुख्यालय पर हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति के बदलापुर में प्रोफेशनल फर्स्ट एड तथा वाउचर फर्स्ट एड ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन हुआ। जहां पर सेंट जान एंबुलेंस इंडिया इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी की तरफ से लोगों को घायल, बीमार, गंभीर लोगों को डाक्टर या हास्पिटल तक पहुंचाने से पहले दी जाने वाली प्राथमिक सहायता के बारे में बताया गया। मास्टर ट्रेनर डॉ आरती श्रीवास्तव ने रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना की स्थितियों, उद्देश्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड निवासी जीन हेनरी ड्यूनांट ने 1869 में रेडक्रॉस सोसायटी की स्थापना की थी। एक बार वह सोल फेरीनो जा रहे थे जहां पर दो देशों के बीच युद्ध चल रहा था। वहां पर उन्होंने युद्ध में घायल तथा गंभीर हुए लोगों को देखा। वहां पर न तो डॉक्टर था न ही उनकी देखरेख करने वाला। इससे वह बहुत द्रवित हुए। पास में ही एक चर्च था। गांव वालों की मदद से वह घायलों को चर्च लेकर गए जहां उनकी देखरेख और दवा की। वहां से लौटकर उन्होंने प्रबुद्ध शजनों को इकट्ठा किया और युद्ध में घायल हुए लोगों तथा युद्ध बंदियों के मानवाधिकारों के बारे में बात की। यहीं से रेडक्रॉस कमेटी का गठन हुआ। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी मानवता के लिए काम करती है। युद्ध की स्थितियों में युद्धबंदियों और घायलों की मदद करती है। इस दौरान उन्होंने दुर्घटनावश पाकिस्तान पहुंचे भारतीय भारतीय सेना के कैप्टन अभिनंदन को पाकिस्तान से भारत लाने में उसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी दुर्घटना में घायल व्यक्ति को डाक्टर आने के पहले या उसे हास्पिटल ले जाने से पहले उपलब्ध संसाधनों से जो पहली सहायता दी जाती है उसे हम फर्स्ट एड कहते हैं। इस दौरान

उन्होंने रक्तस्राव, स्वांस नली फंसने सहित कई अन्य स्थितियों फर्स्ट एड के बारे में बताया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ संजय दूबे ने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। 17 साल नौकरी करने के बाद भी अभी तक ट्रेनिंग होती रहती है। उन्होंने ट्रेनिंग में मिलने वाली जानकारियों को अपने जीवन में उतारने की सीख दी। ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति की संचालक डॉ अंजू सिंह ने क्षेत्र के लिए संस्था के योगदान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि 2001 में संस्था का रजिस्ट्रेशन हुआ। इन 25 वर्षों में संस्था स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वावलंबन सहित कई अन्य क्षेत्रों में काम कर रही है। 2004 से 2017 तक संस्था ने डीएमसी के माध्यम से टीबी मरीजों की सहायता की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देशन में टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण सामाग्री उपलब्धा कराने सहित अन्य तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग कर रही है। अभी तक पांच से छह हजार के करीब टीबी मरीजों को ठीक किया जा चुका है। संस्था गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी सूचीबद्ध होने की स्थिति में है। मेडिकल, नर्सिंग, कटिंग–टेलरिंग सहित अन्य तरह के प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने का भी प्रयास कर रही है। इस दौरान अनुराग श्रीवास्तव, संजय सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत कंचन ने गाया।

समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया प्रतिभाओं को करेगा सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर/गाजियाबाद। राष्ट्र के लिए समर्पित 'समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया' ने राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह की घोषणा करते हुए 51 प्रतिभाओं की सूची जारी कर दी है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र बच्चन ने शिप्रा सन सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि प्रतिभा समाज की धरोहर होती है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक भूमिका निभाते हुए छिपी हुई प्रतिभाओं को आगे लाने का प्रयास करना चाहिए। यह समग्र विकास और सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसकेएफआई) हर वर्ष राष्ट्रीय सम्मान समारोह आयोजित करता है। इस बार यह आयोजन नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर गाजियाबाद में रविवार, 19 जनवरी को किया जाएगा। चयनित प्रतिभाओं को राष्ट्र गौरव, शिक्षा रत्न, समाज रत्न, पत्रकार गौरव और राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान से नवाजा जाएगा। संस्था का स्थापना दिवस भी उसी दिन मनाया जाएगा, इसलिए कई राज्य के वरिष्ठ कार्यकर्ता व पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। उन सभी का भी सम्मान किया जाएगा। गुरुवार के कार्यक्रम में संस्था के राष्ट्रीय संयोजक सुधीर कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह में कई पूर्व कंद्रीय व राज्य के वर्तमान मंत्री, सांसद, विधायक, संगठन के प्रमुखों एवं प्रवक्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रहने की संभावना है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, बिहार और महाराष्ट्र की प्रतिभाएं सम्मान समारोह में शिरकत करेंगी। ये सभी अलग–अलग प्रदेशों में स्वास्थ्य, खेल, समाजसेवा, पुलिस, प्रशासन, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, गैर सरकारी संगठन एवं युवा संगठनों के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं।

अटल बिहारी बाजपेयी के जन्म शताब्दी के अवसर पर एप–पैक्स, डेयरी एवं मत्स्य सहकारी समितियों का उद्घाटन

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री, लखनऊ की शान, पहचान पंडित अटल विहारी वाजपेयी जी के जन्मशताब्दी दिवस पर सहकार से समृद्धि ष्मंत्र रुपी महत्वाकांक्षी योजना को मूर्तरूप देते हुये श्री अमित शाह सहकारिता मंत्री भारत सरकार द्वारा 10000 सहकारी बी पैक्स, दुग्ध समिति व मत्स्य समितियों का शुभारम्भ नई दिल्ली से किया गया। इसी क्रम में देश के सभी जनपदों में कार्यक्रम कर नवसृजित समितियों को निब–धन प्रमाण पत्र सौंपे गये। लखनऊ जिला का मुख्य कार्यक्रम विकास भवन सभागार में किया गया। जिसकी अध्यक्षता व मुख्यवक्ता के रूप में श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा, मा० प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत व विकसित भारत की परिकल्पना इन्हीं समितियों के माध्यम से साकार होगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 10 लाख की व्याज मुक्त ऋण सीमा देने से उत्तर प्रदेश की किसानों व समितियों के विकास से अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल हुयी। उन्होंने इस हेतु उ०प्र० के मुख्यमंत्री सहित सहकारिता मंत्री उ०प्र० श्री जे० पी०एस राठौर का भी आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सभापति से सी0 डी0 ओ0 खनऊ ने संयुक्त रूप से 5 दुग्ध समितियों व दो साधान सहकारी समितियों का निबन्धन प्रमाण पत्र सौंपे। । इन बहुउद्देशीय समितियों के माध्यम से एक छत के

नीचे खाद, बीज, कृषि उपकरण, जीवन रक्षक दवाओं से दुकान, मकान, व्यापार ऋण सहित सुविधायें लोगों को मिलेंगी। उस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य विकास अधिकारी अजयजैन, जिला उप निबन्धक सहघ्कारिता ए०एन० सिंह व मुख्य कार्यपालक अधिकारी) जी० एम० जिला सहकारी बैंक श्री आवेश कुमार मौर्य सहित क्षेत्रीय किसानों व सहकारी समिति के कर्मियों की उपस्थिति रही।

ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स अयोध्या ने क्रिसमस पर बच्चों की रचनात्मकता को दिया मंच

अयोध्या। बुधवार को क्रिसमस के अवसर पर ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स, अयोध्या स्टोर ने बच्चों के लिए ड्राइंग और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस आयोजन में बच्चों के साथ–साथ उनके माता–पिता ने भी खूब आनंद लिया।कार्यक्रम में कुल 75 बच्चों ने हिस्सा लिया। विजेता बच्चों को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जबकि सभी प्रतिभागी बच्चों का हौसला बढ़ाए रखने के लिए उन्हें प्रमाण पत्र दिए गए। ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स की यह पहल अयोध्या में बच्चों के लिए प्रेरणादायक कार्यक्रमों में से एक साबित हुई है।ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स,अयोध्या स्टोर के

ओनर महेश अग्रवाल ने कहा, ष्हमने बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने और उन्हें मंच देने के लिए यह आयोजन किया। उनका उत्साह देखकर हमें बेहद खुशी हुई।ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स, अयोध्या स्टोर के ओनर सुयश अग्रवाल ने कहा, ष्हम चाहते हैं कि बच्चे पढ़ाई के साथ–साथ कला और रचनात्मक गतिविधियों में भी भाग लें। यह कार्यक्रम उन्हें नई ऊर्जा देने का हमारा छोटा सा प्रयास है।

जिलाधिकारी ने की आधार आवेदनों के सत्यापन की समीक्षा

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) गुरुवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने स्टेट पोर्टल पर लंबित आधार के आवेदनों के सत्यापन की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने वर्चुअल माध्यम से जुड़े उप

जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि आवेदनों के सत्यापन में देरी न की जाये। फील्ड सत्यापन के उपरांत आवेदनों को स्वीकृति या अस्वीकृति का कार्य आवेदन तिथि से 30 दिन के अंदर पूरा किया जाये। निर्णय लेने में अनावश्यक देरी न की जाये।जिलाधिकारी ने बताया कि शासनादेश के अनुसार 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आधार हेतु आवेदनों का उप जिलाधिकारी के माध्यम से सत्यापन कराया जाता है। आवेदन के साथ आवेदनकर्ता को आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होते हैं जो सत्यापन के लिए स्टेट पोर्टल पर सत्यापन के लिए आ जाते हैं। समीक्षा के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी भौतिक रूप से उपस्थित रहे।

एक निरीक्षक, एक उप निरीक्षक, 23 हेड कांस्टेबिल,18 महिला कांस्टेबिल और 195 कांस्टेबिलों का स्थानांतरण

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिले की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने में जुटे एसपी नीरज कुमार जादौन ने जनपदीय स्थापना बोर्ड की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। फैसले के तहत महकमे में 238 लोगों का तबादला किया है। कोतवाली शहर में तैनात इंस्पेक्टर (रिजर्व) हरिनाथ यादव और एसआई जुनैद खां को लाइन हाजिर कर दिया। सीओ हरियावां के आफिस में तैनात एसआई जगतपाल को सीओ सण्डीला और सीओ सण्डीला के आफिस में तैनात एसआई जमील अहमद को सीओ हरियावां के आफिस में तैनाती दी है। एसपी श्री जादौन मातहतों को लगातार ईमानदारी से अपनी–अपनी जिम्मेदारी निभाने की नसीहतें दे रहें है,लेकिन फिर कहीं न कहीं चूक की जा रही है। उन्होनें कानून व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए जिले में तैनात 23 हेड कांस्टेबिल,18 महिला कांस्टेबिल और 195 कांस्टेबिलों का इधर से उधर तबादला किया है। गुरुवार को हुई

जनपदीय स्थापना बोर्ड की बैठक में जिले की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए हुए फैसले के तहत तबादले किए गए।

रेडियन्ट एजुकेशनल एकेडमी, दुबग्गा,लखनऊ का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। रेडियन्ट एजुकेशनल एकेडमी, दुबग्गा, लखनऊ का वार्षिकोत्सव कैसरबाग स्थित गाँधी भवन प्रेक्षागृह में मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा० अरमान खान (विधायक, लखनऊ पश्चिम), विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुमन सिंह रावत, (संस्थापक पावरविंग फाउन्डेशन) तथा के०बी० पन्त (सचिव सेवेट एसोसिएशन) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की थीम संस्कृति रही तथा कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना तथा दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके साथ ही ष्जिंगल बेल, पंजाबी नृत्य, यूनिटी इन डायवर्सिटी गीतों पर बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति दी, रामायण की कुछ झलकियाँ नृत्य नाटिका के माध्यम से प्रस्तुत की गई तथा भारतीय सेना की तीनों शाखाओं को नृत्य के माध्यम से दर्शाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक श्री राजीव वर्मा, प्रबन्धिका श्रीमती आरती वर्मा, संरक्षक श्री आदित्य कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रभारी मिर्जा शिराज अहमद, समन्वयक श्री अरूण कुमार तथा समस्त शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहें।

आंबेडकर पर टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ,(संवाददाता)। सदन में डॉ. भीमराव आंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री की टिप्पणी ने जिले का सियासी पारा सर्दी में गर्म कर दिया है। पिछले तीन दिनों से गृहमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। मंगलवार को कांग्रेस, अपना दल कमेरावादी और भारतीय बौद्ध महासभा ने सड़क पर जुलूस निकालकर केंद्रीय गृहमंत्री और भाजपा सरकार पर निशाना साधा। गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग की। मंगलवार का दिन प्रदर्शन के नाम रहा। एक के बाद प्रदर्शन किए गए। पहले कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय में बैठक की। इसके बाद वह प्रदर्शन के लिए सड़क पर उतरे। कचहरी रोड से कलेक्ट्रेट तक कांग्रेसी नेता हाथ में डॉ. आंबेडकर के चित्र और पोस्टर लेकर नारेबाजी करते नजर आए। ने कहा कि गृहमंत्री को इस्तीफा देने के साथ माफी मांगनी चाहिए। भाजपा और आरएसएस महान नेताओं का अपमान करने का फैशन बना चुकी है। इस दौरान आशीष त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान को खत्म करने पर तुली है। अपना दल कमेरावादी के जिलाध्यक्ष डॉ. दल बहादुर पटेल की अगुआई में पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज चौराहा पर केंद्रीय गृहमंत्री के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री के इस्तीफे की मांग हुई। इस मौके पर हाजी मोहम्मद मोबीन, अलीरजा, हमदान अहमद, देवेश सिंह, श्रवण कुमार, राकेश पटेल, रमाकांत पटेल, अमृत लाल पटेल आदि मौजूद रहे। भारतीय बौद्ध महासभा ने भी प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को दिया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष अमर सिंह चौधरी, महासचिव बचोले प्रसाद आदि मौजूद रहे। शहर में लगा जाम रूशहर में प्रदर्शन से जाम की स्थिति रही। सुबह दस से दो बजे तक शहर में यातायात रेंगने को मजबूर रहा। पुलिस को यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने में पसीना बहाना पड़ा। फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज चौराहा से यातायात को वनवे कर दिया गया। साथ ही सिविल लाइंस चौराहा पर भी यातायात पुलिस जाम की स्थिति से निपटने के लिए मुस्तैद रही।

सातवें अपराधी मिथुन के लिए ताबड़तोड़ दबिश

लखनऊ,(संवाददाता)। चिनहट के मटियारी स्थित इंडियन ओवरसीज बैंक के लॉकरों का काटकर करोड़ों की चोरी को अंजाम देने वाला सातवां आरोपी बिहार लखीसराय निवासी मिथुन कुमार अभी भागा हुआ है। पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें उसकी तलाश में जगह–जगह दबिश दे रही है। आरोपी मिथुन कुमार की गिरफ्तारी पर पहले से 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित है। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि वह बिहार भाग गया है। बुधवार सुबह गाजीपुर जनपद पुलिस ने इस सनसनीखेज घटना के मुख्य साजिशकर्ता सीतापुर विपिन कुमार को जमानिया के मदनपुरा मोड़ से गिरफ्तार किया गया। विपिन पर भी 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। अब चिनहट पुलिस गाजीपुर जनपद में आरोपी विपिन को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी। विपिन ने भी इस घटना की पूरी साजिश रची थी और बिहार से चोरों के गैंग को बुलाकर वारदात को अंजाम दिया था। सोमवार देर रात चिनहट पुलिस व क्राइम ब्रांच के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए 25 हजार रुपये के इनामी चोर बिहार असरगंज निवासी सोविंद कुमार के परिजन बुधवार सुबह बिहार से लखनऊ पहुंचे। पुलिस ने उनको सोविंद कुमार का शव हवाले किया और फिर वह लोग शव लेकर चले गए। सोविंद के परिजनों कुछ भी नहीं बोला और खामोश रहे। बैंक में हुई करोड़ों की चोरी के मामले में अब तक पुलिस बिहार मुंगेर निवासी अरविंद कुमार, भागलपुर निवासी बलराम कुमार और मुंगेर निवासी कैलाश बिंद और सीतापुर निवासी विपिन कुमार को गिरफ्तार कर चुकी हैं। वहीं दो चोर सोविंद और सन्नी दयाल मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं। पुलिस चोरी किए गए लाखों के जेवरात, नकदी, दो कार और एक बाइक भी बरामद कर चुकी है। बैंक में लॉकर काटने वाले चोर कितने बेखौफ थे, 22 सेकंड की सीसीटीवी फुटेज से पता चल जाता है। बड़े ही इत्मीनान से बैंक में पिठ्ठूबैग में सामान लिए एक चोर चहलकदमी करते दिखता है। वहीं, उसका साथी ग्राइंडर का तार बटोरता दिखता है। भले ही दोनों के चेहरे ढंके हों, पर कदमों की चाल बताती है कि जैसे वे अपने घर में काम कर रहे हों। वहीं फुटेज से आई एक तस्वीर में तो एक बदमाश बैंक के अंदर कुर्सी पर आराम फरमाता दिखता है। इंडियन ओवरसीज बैंक के लॉकरों को तोड़कर हुई करोड़ों की चोरी के मामले में सामने आई फुटेज 22 दिसंबर सुबह 4: 36 बजे की हैं। फुटेज में एक चोर ने काले रंग की जैकेट पहन रखी थी।

जैविक खेती कर आय में वृद्धि करें किसान

जिला मुख्यालय गौरीगंज स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित तीन दिवसीय किसान मेले के दूसरे दिन मंगलवार को मिलेट रेसिपी, रंगोली, पेंटिंग आदि प्रतियोगिताएं हुईं। गोष्ठी में किसानों को जैविक खेती कर स्वस्थ रहने के टिप्स दिए गए। कार्यशाला व रबी उत्पादकता गोष्ठी में मुख्य अतिथि अयोध्या मंडल संयुक्त कृषि निदेशक अवतींद्र मिश्र ने किसानों को जैविक खेती करने को लेकर जागरूक किया। कहा कि किसान कृषि के साथ बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं। उपकृषि निदेशक सत्येंद्र तिवारी ने विभाग की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। इफको क्षेत्रीय प्रबंधक शिशुपाल ने किसानों को नैनो यूरिया, डीएपी आदि उर्वरकों के संबंध में जानकारी दी। मेले में कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, समाज कल्याण, जिला कार्यक्रम अधिकारी, इफको, फसल बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि स्टॉलों पर विभाग से संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई। वहीं, डीआईओएस डॉ. राजेश कुमार द्विवेदी की मौजूदगी में मिलेट, रंगोली व पेंटिंग प्रतियोगिताएं हुईं। कृषि विभाग की ओर से संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजना के तहत संवाद कार्यक्रम में आए कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को तमाम जानकारियां दी। कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति कर कलाकारों ने किसान को मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रमेश सिंह ने किया। इस दौरान जिला कृषि अधिकारी राजेश कुमार, समाज कल्याण अधिकारी मनोज कुमार शुक्ल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सोमनाथ तिवारी, मत्स्य अधिकारी अनिल कुमार आदि मौजूद रहे। मलेट रेसिपी प्रतियोगिता में गायत्री सिंह, कृष्णलली, आशा देवी प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। चित्रकला प्रतियोगिता में साहिल गौतम, सोनल वर्मा, नम्रता तिवारी, रंगोली प्रतियोगिता में शैलजा गोंड, अंकिता चौधरी प्रथम व द्वितीय व स्टॉल में अमेठी हरित फार्मर प्रोड्यूसर लिमिटेड, आंगनबाड़ी केंद्र गौरीगंज, आशा महिला स्वयं सहायता समूह प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।